

परिगलित वि. (तत्.) 1. गला हुआ, गलित 2. तरल, पिघला हुआ 3. च्युत, नीचे गिरा हुआ 4. लुप्त, गायब 5. डूबा हुआ।

परिगहन पुं. (तत्.) अत्यंत घना, अतिगहन।

परिगीत वि. (तत्.) अत्यधिक वर्णित, जिसका गुणगान खूब किया गया हो।

परिगीति स्त्री. (तत्.) एक प्रकार का छंद, वृत्त विशेष।

परिगुंठित वि. (तत्.) छिपाया हुआ, ढँका हुआ।

परिगुंडित वि. (तत्.) धूल से ढँका हुआ, गर्द से आच्छादित।

परिगुणन पुं. (तत्.) किसी चीज या संख्या को गुणा करके कई गुना अधिक बढ़ाना।

परिगूढ वि. (तत्.) कठिनता से समझ में आने वाला, अति गूढ़, गुप्त।

परिगृहीत वि. (तत्.) 1. स्वीकृत, मंजूर किया हुआ 2. शामिल, मिला हुआ 3. चारों ओर से घिरा हुआ 4. ग्रहण किया हुआ 5. पकड़ा हुआ 6. संरक्षित, सुरक्षित।

परिगृहीता वि. (तत्.) 1. विवाहिता, परिणीता 2. पुं. पति, सहयोगी 3. गोद लेने वाला व्यक्ति।

परिगृह्या स्त्री. (तत्.) विवाहिता स्त्री, धर्मपत्नी, वह जिसे ग्रहण किया गया हो।

परिग्रह पुं. (तत्.) 1. एक विशेष प्रकार की यज्ञ वेदी 2. उस स्थान के चारों ओर का घेरा जहाँ बलि चढ़ाई जाती है 3. लेना, स्वीकार करना, ग्रहण करना, दान लेना 4. चारों ओर से घेरना, आवेष्टित करना 5. धारण करना 6. धन आदि का संग्रह, विशिष्ट वस्तुओं का संग्रह 7. अनुग्रह, दया 8. पत्नी, भार्या, पत्नी रूप में ग्रहण करना 9. परिवार के लोग, परिजन 10. उपहार, भेंट आदि के रूप में ग्रहण की जाने वाली वस्तु 11. सूर्यग्रहण या चंद्रग्रहण 12. सेना

का पिछला भाग 13. कंद, मूल 14. शाप 15. कुसुम 16. विष्णु का एक नाम 17. राज्य, दरबार 18. दंड 19. गृह, मकान 20. जैन शास्त्र के अनुसार तीन प्रकार के प्रगति निबंधन कर्म- (क) द्रव्य परिग्रह (ख) भाव परिग्रह और (ग) द्रव्यभाव परिग्रह।

परिग्रहण पुं. (तत्.) 1. सब प्रकार से ग्रहण, पूर्णतः ग्रहण करना 2. कपड़े पहनना, धारण करना।

परिग्रह्य वि. (तत्.) ग्रहण करने योग्य, जिसे ग्रहण किया जा सके।

परिग्राम पुं. (तत्.) गाँव के सामने का भाग, चारों ओर का भाग।

परिघट्टित वि. (तत्.) घर्षण किया हुआ, चलाया या मथा हुआ।

परिघ पुं. (तत्.) 1. गंडासा, लोहाँगी 2. एक प्रकार का योग जिसका संबंध ज्योतिष से है 3. 27 योगों में से एक 19वाँ योग 4. अर्गला, अगड़ी 5. भाला, शूल, बछी 6. कलश, शीशे का घड़ा या सुराही, जलपात्र 7. घोड़ा 8. फाटक, गोपुर 9. घर 10. भगवान कार्तिक का एक अनुचर 11. तीर 12. पर्वत 13. वज्र 14. शेषनाग 15. जल 16. चंद्र 17. सूर्य 18. नदी 19. स्थल 20. बाधा, प्रतिबंध 21. महाभारत में उल्लिखित एक चांडाल का नाम 22. संध्या अथवा प्रातःकाल में सूर्य के समक्ष आ जाने वाले बादल 23. ऐसा शिशु जिसके जन्म के समय स्थिति बदल गई हो।

परिघट्टन पुं. (तत्.) चारों ओर से रगड़ना, घर्षण करना, कलछी आदि से मथना या चलाना।

परिघात पुं. (तत्.) 1. हत्या, हनन, मारना या मार डालना 2. एक प्रकार का अस्त्र जिससे किसी की हत्या की जा सकती हो 3. उल्लंघन करना 4. लोहे की गदा, मुद्गर 5. नष्ट या समाप्त करना।